



चिरेका में सीवरेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन करने पर दिया जोर

संवाद सहयोगी, जागरण • मिहिनाम (जामताड़ा) : चिरेका में वर्षा जल संचयन प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीक को अपनाया है। इसमें कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है। भूजल स्तर को रिचार्ज करने और उथली गहराई बनाए रखने के लिए चित्तरंजन के विभिन्न स्थानों पर सात बड़े आकार के परकोलेटिंग पिट बनाए गए हैं। पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है अवशिष्ट प्रबंधन। चिरेका में अवशिष्ट प्रबंधन को उचित महत्व मिला है और इसे उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न अवशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलनगरी के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के



चिरेका में अवशिष्ट प्रबंधन के तहत बने परकोलेटिंग पिट • जागरण

माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक आवासीय क्वार्टर और भवन की सेवा सीवर प्रणाली से जुड़े हुए हैं। चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट और बायोफिल्टर प्लांट। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज परिष्कृत और हानिरहित होकर उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष

2023-24 के दौरान मार्च 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 किलो लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है। उचित प्रसंस्करण यानी वायु संचारण, एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नामांकित ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है तथा बागवानी और अन्य कार्यों के लिए इनका पुनः उपयोग किया जाता है।



चिरेका ने 7,19,632 लीटर दूषित पानी ट्रीटमेंट का लक्ष्य किया हासिल



चिरेका का वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट.

प्रतिनिधि, मिडिजाम

पर्यावरण प्रबंधन सबसे जरूरी हिस्सा है वेस्ट प्रबंधन. चिरेका में वेस्ट प्रबंधन का उचित महत्व मिला है. उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न वेस्ट प्रबंधन प्रक्रियायें अपनाई जा रही है. रेलनगरी चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का योगदान महत्वपूर्ण है. पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है. प्रत्येक आवासीय क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग सीवेज प्रणाली से जुड़े हुए हैं. चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, जिसमें एक्टिवेटेड स्लज प्लांट व बायो-फिल्टर प्लांट शामिल है. सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है. स्लज परिष्कृत और हानि रहित होकर उर्वरक

के रूप में उपयोग किया जाता है. वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मार्च, 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है. उचित प्रसंस्करण, एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नामांकित ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है. बागवानी और अन्य कार्यों के लिए इनका पुनः उपयोग किया जाता है. प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीकों को अपनाया है, जिसमें कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है. भूजल स्तर को रिचार्ज करने और गहराई बनाए रखने के लिए चित्तरंजन के विभिन्न स्थानों पर सात बड़े आकार के परकोलेटिंग पिट बनाए गए हैं.



परीक्षित

कोलकाता, शनिवार 20 जुलाई, 2024

E-mail : parixit_k

परीक्षित (दैनिक) कोलकाता, 20 जुलाई, 2024 : 7

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन :: प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में उचित कदम

सिस्टम, 19.07.2024 :
पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है waste प्रबंधन। चिरेका में waste प्रबंधन को उचित महत्व मिला है और इसे उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न waste प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। केन्द्रीय के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है।

पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबे सीवर लाइन का माध्यम से टाउनशिप का जल जल प्लांट में भेजा जाता है। इसके आवासीय बार्डर और Service buildings सीवर प्रणाली से जुड़े हुए हैं।

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य चटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट (Activated sludge plant) और बायो-फिल्टर प्लांट (Bio filter plant)। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज (sludge) पॉन्चर और लायलित होकर ड्रिफ्ट के रूप में उपयोग किया जाता है। बिलियन वर्ष 2023-24 के दौरान मार्च, 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 किलो लीटर शुद्ध जल ट्रीटमेंट हासिल किया है।

उचित प्रसंस्करण यानी



अeration, एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेंस्टर (digester) और ट्रिकलिंग फिल्टर (trickling filter) के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नगरपालिका ओवरसिड टैंक में संग्रहित किया जाय सतत उपयोग के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता तथा भुजल स्तर को रिचार्ज करने और उथली को बनाए रखने को दिशा में गहराई (shallow depth) चिरेका में वर्षा जल संचयन बनाए रखने के लिए चिंतन तकनीकों को अपनाया है, के विभिन्न स्थानों पर खाने के निर्यात करे भूमिगत जल नहीं आकार को परकोलेंटिंग पिट उठाया जाता है। भुजल स्तर बनाए गए हैं।



हिन्दी दैनिक श्वेत पत्र आपकी बात सच के साथ

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में उचित कदम

मिहिनाम(एन)। चिरांजन में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन को लेकर बेहतर कार्य जारी है। पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है वेस्ट प्रबंधन। चिरेका में वेस्ट प्रबंधन को उचित माध्यम मिला है और इसे उचित प्रकार के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न वेस्ट प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलमस्त्री के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक अवधारणा ज्वॉटर और सीवेज प्रणाली के जुड़े हुए हैं। चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट



और बायो-फिल्टर प्लांट। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज परिष्कृत और हानिरहित होकर उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मार्च, 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,63.2 किगो लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है। उचित प्रसंस्करण वाली एरसन

, एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नगरपालिका ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है तथा बागावटी और अन्य कार्यों के लिए इनका पुनः उपयोग किया जाता है।

चिरेका में वर्षा जल संचयन

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग

के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भुगतान स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीकों को अपनाया है, जिससे कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है। भुगतान स्तर को रिकार्ड करने और उभाली पट्टाई बनाए रखने के लिए चिरांजन के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए हैं।



इंडियन पंच

ती सतरावें वेतनमान के निर्धारण को जाएगा।

जानकारी दी। साथ ही, बैठक में किसी भी मसला का नाम न लूटे। उपस्थित थे।

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संवर्धन

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में उचित कदम

वितरित। संकायक।

पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है जल संवर्धन। चिरेका में जल संवर्धन को उचित मानव कृषि है और इसे उचित मानव कृषि के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न जल संवर्धन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलनगरी के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को मालवर्धन योजना है।

पूरु वाइनमैप में फैले हुए 274.026 किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल



प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक आवासीय इलाके और सर्विस विस्तार सीवरों प्रणाली से जुड़े हुए

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य चरण हैं, एरिथ्रोड स्लज

प्लांट और बायो-फिल्टर प्लांट। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एरिथ्रोड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज पॉम्पिंग और इन्फिल्ट्रेशन प्रोसेस के रूप में उपयोग किया जाता है। वितरित वर्ष 2023-24 के दौरान मार्च, 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 लिटर सीवर दूषित जल ट्रीटमेंट प्रोसेस किया है।

उच्च प्रसंस्करण स्तर उपचार, बायोफिल्टर और ट्यूब्यूलर फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नालीकृत ओवरहेड टैंक में

संग्रहित किया जाता है तथा बागवानी और अन्य कार्यों के लिए इनका पुनः उपयोग किया जाता है। प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के उचित अर्थ प्रतिक्रिया जल भुज्जना जल को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संवर्धन तकनीकों को अपनाया है, जिसमें कोई धूमिल जल नहीं उठाया जाता है। भूजल स्तर को रिचार्ज करने और उपलब्ध गहराई बनाए रखने के लिए वितरित के विभिन्न स्थलों पर सतत बड़े आकार के परकोलेटिंग पिट बनाए गए हैं।



चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल का किया संचयन

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में उठाया उचित कदम

महानगर संवाददाता



चित्तूरंजन। पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है वेस्ट प्रबंधन। चिरेका में वेस्ट प्रबंधन को उचित महत्व मिला है और इसे उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न वेस्ट प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलनगरी के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबी सोवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक आवासीय क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग्स सोवरज प्रणाली से जुड़े

हुए हैं। चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट और बायो-फिल्टर प्लांट। सोवरज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज परिष्कृत और हानिरहित होकर उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मार्च 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 किलो लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है।

उचित प्रसंस्करण, एक्टिवेटेड

स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नामांकित ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है, जिसका बागवानी व अन्य कार्यों के लिए पुनः उपयोग किया जाता है।

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीकों को अपनाया है, जिसमें कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है।

बिहार ऑब्जर्वर

इंटरनेट से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन

चित्तरंजन (समे): पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है वास्तु प्रबंधन। चिरेका में वास्तु प्रबंधन को उचित महत्व मिला है और इसे उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न वास्तु प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलनगरी के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है।

पूरे टाउनशिप में फैली हुई २७४.०३६ किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक आवासीय कार्टर और सीवरेंज प्रणाली से जुड़े हुए हैं।

चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट और बायो-फिल्टर प्लांट। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज परिष्कृत और हानिरहित



होकर उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के दौरान मार्च, २०२४ तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने ७,१९,६३२ किलो लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है।

उचित प्रसंस्करण यानी, एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नामांकित ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है तथा बागवानी और

अन्य कार्यों के लिए इनका पुनः उपयोग किया जाता है।

प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीकों को अपनाया है, जिसमें कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है। भूजल स्तर को रिचार्ज करने और उथली गहराई बनाए रखने के लिए चित्तरंजन के विभिन्न स्थानों पर सात बड़े आकार के परकोलेटिंग पिट बनाए गए हैं।



चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट और वर्षा जल संचयन प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में उचित कदम

चित्तरंजन : पर्यावरण प्रबंधन का सबसे जरूरी हिस्सा है वेस्ट प्रबंधन। चिरेका में वेस्ट प्रबंधन को उचित महत्व मिला है और इसे उचित मानक के रूप में बनाए रखने के लिए विभिन्न वेस्ट प्रबंधन प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। रेलनगरी के सीवेज जल के प्रबंधन के लिए चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे टाउनशिप में फैली हुई 274.036 किमी लंबी सीवर पाइप लाइन के माध्यम से टाउनशिप का दूषित जल प्लांट में भेजा जाता है। प्रत्येक आवासीय क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग्स सीवर प्रणाली से जुड़े हुए हैं। चिरेका में सीवेज ट्रीटमेंट



प्लांट के दो मुख्य घटक हैं, एक्टिवेटेड स्लज प्लांट और बायो-फिल्टर प्लांट। सीवेज का प्राथमिक ट्रीटमेंट एक्टिवेटेड स्लज प्लांट में किया जाता है। स्लज परिष्कृत और हानिरहित होकर उर्वरक के रूप में उपयोग किया जाता है। वित्तीय वर्ष

2023-24 के दौरान मार्च, 2024 तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट ने 7,19,632 किलो लीटर दूषित जल ट्रीटमेंट हासिल किया है।

उचित प्रसंस्करण यानी एक्टिवेटेड स्लज उपचार, डाइजेस्टर और ट्रिकलिंग फिल्टर

के साथ उपचार के बाद उपचारित पानी को नार्मल ओवरहेड टैंक में संग्रहित किया जाता है तथा वागवानी और अन्य कार्यों के लिए इसका पुनः उपयोग किया जाता है। चिरेका में वर्षा जल संचयन प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा भूजल स्तर को बनाए रखने की दिशा में चिरेका ने वर्षा जल संचयन तकनीकों को अपनाया है। जिसमें कोई भूमिगत जल नहीं उठाया जाता है। भूजल स्तर को रिचार्ज करने और उथली गहराई बनाए रखने के लिए चित्तरंजन के विभिन्न स्थानों पर सात बड़े आकार के परकोलेटिंग पिट बनाए गए हैं।



Darpan of India

Sewage treatment & rain water harvesting in clw steps towards sustainable use of natural resources

DOI CORRESPONDENT

Chittaranjan , 19 July: Waste management is most essential part of environment management. Management of waste in CLW has gained due importance & in order to maintain it properly various waste management processes are being undertaken. To manage sewage water of the township, the Sewage Treatment Plant in CLW plays an important role.

The Sewage of the township is let into the plant through laid down sewer line of 274.036 Km, spreading throughout the township. Every residential Quarters & Service Buildings are connected with sewerage system.

There are two main components of the Sewerage Treatment Plant in CLW, the Activated Sludge Plant & the Bio-Filter Plant. The Sewage primarily treated in the Activated Sludge Plant. The Sludge is digested and ren-

dered innocuous and used as fertilizer. During the financial year 2023-24, upto March, 2024 the Sewage treatment plant achieved 7,19,632 kilo litres of waste water treatment.

After due processing i.e. aeration, treatment with activated sludge, digester and trickling filter, the treated water is stored in nominated overhead tanks and reuse for gardening & other purposes.

RAIN WATER HARVESTING IN CLW

To achieve its commitment towards sustainable use of natural resources and a step towards maintain ground water level CLW has embraced the Rain Water harvesting techniques with no underground water being lifted. Seven large sized percolating pits have been made at various places in Chittaranjan to recharge a ground water and to maintain shallow depth of the ground water table.



Morning India

For TV, e-paper & news visit: www

Sewage treatment & rain water harvesting in CLW: Steps towards sustainable use of natural resources



MI News Service, Chittaranjan: Waste management is most essential part of environment management. Management of waste in CLW has gained due importance & in order to maintain it properly various waste management processes are being undertaken. To manage sewage water of the township, the Sewage Treatment Plant in CLW plays an important role. The Sewage of the township is let into the plant through laid down sewer line of 274.036 Km, spreading throughout the township. Every residential Quarters & Service Buildings are connected with sewerage system. There are two main components of the Sewerage Treatment Plant in CLW, the Activated Sludge Plant & the Bio-Filter Plant. The Sewage primarily treated in the Activated Sludge Plant. The Sludge is digested and rendered innocuous and used as fertilizer. During the financial year 2023-24, upto March, 2024 the Sewage treatment plant achieved 7,19,632 kilo litres of waste water treatment. After due processing i.e. aeration, treatment with activated sludge, digester and trickling filter, the treated water is stored in nominated overhead tanks and reuse for gardening & other purposes.

RAIN WATER HARVESTING IN CLW

To achieve its commitment towards sustainable use of natural resources and a step towards maintain ground water level CLW has embraced the Rain Water harvesting techniques with no underground water being lifted. Seven large sized percolating pits have been made at various places in Chittaranjan to recharge a ground water and to maintain shallow depth of the ground water table.



THE ECHO OF INDIA

Sewage Treatment & Rain Water Harvesting in CLW Steps towards sustainable use of natural resources

EOI CORRESPONDENT

CHITTARANJAN, JULY 19/-Waste management is most essential part of environment management. Management of waste in CLW has gained due importance & in order to maintain it properly various waste management processes are being undertaken. To manage sewage water of the township, the Sewage Treatment Plant in CLW plays an important role.

The Sewage of the township is let into the plant through laid down sewer line of 274.036 Km, spreading throughout the township. Every residential Quarters & Service Buildings are connected with sewerage system.

There are two main components of the Sewerage Treatment Plant in CLW, the Activated Sludge Plant & the Bio-Filter Plant. The

Sewage primarily treated in the Activated Sludge Plant. The Sludge is digested and

used for gardening & other purposes. To achieve its commitment towards sustainable use of



rendered innocuous and used as fertilizer. During the financial year 2023-24, upto March, 2024 the Sewage treatment plant achieved 7,19,632 kilo litres of waste water treatment. After due processing i.e. aeration, treatment with activated sludge, digester and trickling filter, the treated water is stored in nominated overhead tanks and reuse for

natural resources and a step towards maintain ground water level CLW has embraced the Rain Water harvesting techniques with no underground water being lifted. Seven large sized percolating pits have been made at various places in Chittaranjan to recharge a ground water and to maintain shallow depth of the ground water table.